छूटे ना दरबार तेरा | By Sunil Sarvottam

चाहे सुख हो चाहे दुःख हो
छूटे ना दरबार तेरा
हर पल बाबा साथ में रहना
मिलता रहे हमें प्यार तेरा

जिनका साथी कोई नहीं हो
उनका साथी बन जाता
जिनको सबने ठुकराया हो
उनको भी तू अपनाता
कस कर हाथ पकड़ ले बाबा
हमको है ऐतबार तेरा

हमने सुना है इस दुनिया में
हारे का तू सहारा है
जिनकी नैया बीच भवर में
उनको पार उतारा है
हमको भी उस पार लगा दे
भूले ना उपकार तेरा

भूल अगर हो जाए हमसे
बालक जान भुला देना
रूठ ना जाना बाबा हमसे
अपनी शरण लगा लेना
जैसे भी हैं हम हैं तेरे
करते रहें सत्कार तेरा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9b%e0%a5%82%e0%a4%9f%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-by/